

## हिंदी (आधार) (कोड सं० 302)

कक्षा - 12 (2016-17)

खण्ड	विषय	अंक
(क)	अपठित अंश	20
	1. अपठित गद्यांश - बोध (गद्यांश पर आधारित बोध, प्रयोग, रचनांतरण, शीर्षक आदि पर लघूत्तरात्मक प्रश्न [शीर्षक पर प्रश्न (1 अंक) + 7 लघूत्तरात्मक (2x7)])	15
	2. अपठित काव्यांश-बोध (काव्यांश पर आधारित पाँच लघूत्तरात्मक प्रश्न) (1x5)	05
(ख)	कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन	25
	3. किसी एक विषय पर निबंध	05
	4. कार्यालयी पत्र	05
	5. प्रिंट माध्यम, सम्पादकीय, रिपोर्ट, आलेख आदि पर पांच अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न	05
	6. किसी एक विषय पर आलेख अथवा हाल ही में पढ़ी पुस्तक की समीक्षा	05
	7. जीवन-संदर्भों से जुड़ी घटनाओं और स्थितियों पर फीचर लेखन	05
(ग)	पाठ्यपुस्तक	55
	1) आरोह भाग-2	40
	अ) काव्य भाग	20
	8. दो काव्यांशों में से किसी एक पर अर्थग्रहण के चार प्रश्न (2x4)	08
	9. काव्यांश के सौंदर्यबोध पर किसी एक काव्यांश पर तीन प्रश्न (2x3)	06
	10. कविताओं की विषय-वस्तु से संबंधित दो लघूत्तरात्मक प्रश्न (3+3) लघु	06
	ब) गद्य भाग-2 (पूरक पाठ्य पुस्तक)	20
	11. एक गद्यांश पर आधारित अर्थग्रहण के चार प्रश्न (2+2+2+2)	08
	12. पाठों की विषयवस्तु पर आधारित चार बोधात्मक प्रश्न (3+3+3+3)	12
	2) वितान भाग-2	15
	13. पाठों की विषयवस्तु पर आधारित एक मूल्यपरक प्रश्न (1x5)	05
	14. विषयवस्तु पर आधारित दो निबंधात्मक प्रश्न (5+5)	10
	<b>कुल</b>	<b>100</b>

1. आरोह भाग-2 एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित
2. वितान भाग-2 एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित
3. 'अभिव्यक्ति और माध्यम' एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित (खण्ड- ख कामकाजी हिंदी और रचनात्मक लेखन हेतु)

**प्रश्नपत्र का प्रश्नानुसार विश्लेषण एवं प्रारूप  
हिन्दी पाठ्यक्रम-XII आधार ( 2016-17 )**

समय : 3 घण्टे

अधिकतम : 100

क्र. सं.	प्रश्नों का प्रारूप	दक्षता परीक्षण/ अधिगम परिणाम	1 अंक	2 अंक	5 अंक	कुल अंक	प्रतिशत
1	अपठित बोध (पठन कौशल)	अवधारणात्मक बोध, अर्थग्रहण, अनुमान लगाना, विश्लेषण करना, शब्द-ज्ञान व भाषिक प्रयोग, सृजनात्मकता, मौलिकता।				20	20%
2	कार्यालयी हिन्दी और रचनात्मक लेखन (लेखन कौशल)	संकेत बिन्दुओं का विस्तार, अपने मत की अभिव्यक्ति, सोदाहरण समझना, औचित्य निर्धारण, भाषा में प्रवाहमयता, सटीक शैली, उचित प्रारूप का प्रयोग, अभिव्यक्ति की मौलिकता, सृजनात्मकता, सृजनात्मकता एवं तर्किकता				25	25%
3	पाठ्यपुस्तकें	प्रत्यास्मरण, विषयवस्तु का बोध एवं व्याख्या, अर्थग्रहण (भावग्रहण), लेखक के मनोभावों को समझना, शब्दों का प्रसंगानुकूल अर्थ समझना, आलोचनात्मक चिंतन, तर्किकता, सराहना, साहित्यिक परंपराओं के परिप्रेक्ष में मूल्यांकन, विश्लेषण, सृजनात्मकता, कल्पनाशीलता, कार्य-कारण संबंध स्थापित करना, साम्यता एवं अंतरों की पहचान, अभिव्यक्ति में मौलिकता एवं जीवन-मूल्यों की पहचान।		11		55	55%
		<b>कुल</b>	<b>1 1=11</b>	<b>2x18=36</b>	<b>5x7=35</b>	<b>100</b>	<b>100%</b>